IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का अध्ययन

धनंजय कुमार मिश्र

(शोध छात्र, समाज कार्य विभाग - महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी)

डॉ. अनिल कुमार

(सहायक प्रोफेसर, समाज कार्य विभाग – महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी)

सारांश

यह शोध पत्र भारत में जल जीवन मिशन के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण करता है यह अध्ययन विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित है। वर्ष 2019 में शुरू जल जीवन मिशन एक दूरदर्शी पहल है जिसका उद्देश्य 2024 तक हर ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलु नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित एवं पीने योग्य पानी उपलब्ध कराना है।

जल जीवन मिशन, स्वच्छ जल तक पहुंच सुनिश्चित करके न केवल स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया है बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास को गति प्रदान की है। बेहतर जल तक पहुंच ने महिलाओं को जल संग्रह में उनकी मेहनत को कम करके उन्हें सशक्त बनाया है जिससे वे अन्य उत्पादक गतिविधियों में संलग्न हो पाई है। इसके अलावा बेहतर स्वच्छता एवं स्वच्छता प्रथाओं ने जल जनित बीमारियों मे भी कमी की है जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य सेवा व्यय में कमी आई है एवं उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

जल जीवन मिशन के तहत जल अवसंरचना के निर्माण और रखरखाव ने रोजगार के अवसर पैदा किए हैं जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है।

मुख्य शब्द: जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जल जनित बीमारी, उत्पादकता, अवसंरचना, आर्थिक विकास।

प्रस्तावना

विश्व की लगभग 17% आबादी का वहन करने वाला भारत विश्व के ताज़े जल संसाधनों का मात्र 4% ही रखता है, जो स्पष्ट रूप से इसके विवेकपूर्ण उपयोग और कुशल जल जोखिम प्रबंधन की आवश्यकता को उजागर करता है। स्वच्छ, सुरक्षित पानी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सभी की स्वस्थ जीवन जीने, सामाजिक प्रगति में शामिल होने और पारिस्थितिक स्थिरता रखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। वास्तव में, वैश्विक विकास के लिए सतत विकास लक्ष्यों में से एक स्वच्छ पेयजल (एसडीजी 6) को समर्पित है, जो वर्ष 2030 तक सुरक्षित और किफ़ायती पेयजल तक सार्वभौमिक और समान पहुँच के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को निर्धारित करता है।

अगस्त 2019 में शुरू जल जीवन मिशन का उद्देश्य 2024 तक हर ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलु नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित एवं पीने योग्य पानी उपलब्ध कराना है। दरअसल पेयजल राज्य का विषय है, और इसलिए, योजना, मंजूरी, कार्यान्वयन, संचालन की जिम्मेदारी और जल जीवन मिशन के तहत पेयजल आपूर्ति योजनाओं सहित, रखरखाव का दायित्व राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश की सरकारों का है। भारत सरकार तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों का समर्थन करती है।

अगस्त 2019 में जल जीवन मिशन की घोषणा के समय, केवल 3.23 करोड़ (16.8 प्रतिशत) ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन मौजूद था। अब तक, जैसा कि राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा 30.01.2024 को जानकारी दी गई है, जल जीवन मिशन के तहत 10.98 करोड़ से अधिक अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं, इनमें से लगभग 2.58 करोड़ 2023-24 में प्रदान किए गए। इस प्रकार, 30.01.2024 तक, देश के 19.27 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से, 14.21 करोड़ (73.76 प्रतिशत) से अधिक परिवारों के घरों में नल के पानी की आपूर्ति होने की सूचना है।

भारत में महिलाएं और लड़कियां घरेलू कामकाज करने में काफी समय (प्रति दिन 352 मिनट तक) खर्च करती हैं। यह उनके पुरुष समकक्षों (52 मिनट/दिन) से 577 प्रतिशत अधिक है और दक्षिण अफ्रीका एवं चीन की महिलाओं की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। अपने परिवारों के लिए पीने का पानी जुटाना इसका एक बड़ा हिस्सा है। यह स्कूलों में लड़कियों के नामांकन में एक बड़ी बाधा उत्पन्न करता है, विशेषकर गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों से संबंधित लड़कियों के लिए। समस्या की भयावहता इस बात से स्पष्ट हो जाती है कि भारत में 11 करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाएँ गरीबी रेखा से नीचे है।

जल जीवन मिशन

वर्ष 2019 में शुरू किया गया यह मिशन वर्ष 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर जल की आपूर्ति की परिकल्पना करता है। जल जीवन मिशन पेयजल हेतु एक जन आंदोलन बनना चाहता है, जिससे यह हर किसी की प्राथमिकता बन जाए। यह जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

इस मिशन का लक्ष्य मौजूदा जल आपूर्ति प्रणालियों एवं जल कनेक्शन, जल गुणवत्ता निगरानी और परीक्षण के साथ-साथ सतत् कृषि की कार्यक्षमता सुनिश्चित करना है। यह संरक्षित जल के संयुक्त उपयोग को सुनिश्चित करता है। इसके साथ ही यह पेयजल स्रोत में वृद्धि, पेयजल आपूर्ति प्रणाली, ग्रे वाटर मैनेजमेंट और पुन: उपयोग को भी सुनिश्चित करता है।

जल जीवन मिशन स्थानीय स्तर पर जल की एकीकृत मांग और आपूर्ति पक्ष प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है। वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और पुन: उपयोग के लिये घरेलू अपशिष्ट जल के प्रबंधन जैसे अनिवार्य तत्त्वों के रूप में स्रोत सतत् उपायों हेतु स्थानीय बुनियादी ढाँचे का निर्माण अन्य सरकारी कार्यक्रमों/योजनाओं के साथ अभिसरण में किया जाता है। यह मिशन जल के लिये सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित है तथा मिशन के प्रमुख घटकों के रूप में व्यापक सूचना, शिक्षा और संचार शामिल हैं।

जल समितियाँ ग्राम जल आपूर्ति प्रणालियों की योजना, क्रियान्वयन, प्रबंधन, संचालन और रखरखाव करती हैं। इनमें 10-15 सदस्य होते हैं, जिनमें कम-से-कम 50% महिला सदस्य एवं स्वयं सहायता समूहों के अन्य सदस्य, मान्यता प्राप्त सामाजिक और स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता (आशा), आंगनबाड़ी , शिक्षक आदि शामिल होते हैं। समितियाँ सभी उपलब्ध ग्राम संसाधनों को मिलाकर एक बार ग्राम कार्ययोजना तैयार करती हैं। योजना को लागू करने से पहले इसे ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

केंद्र और राज्यों के बीच वित्तपोषण स्वरूप हिमालयन तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिये 90:10, अन्य राज्यों के लिये 50:50 है, जबकि केंद्रशासित प्रदेशों के मामलों में शत-प्रतिशत योगदान केंद्र द्वारा किया जाता है।

जल जीवन मिशन का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

- जल जीवन मिशन घरेलू स्तर पर सुरक्षित और पर्याप्त जल पहुंच प्रदान करके स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करेगा, जिससे ग्रामीण समुदायों में जल जनित बीमारियों, संक्रमणों और कुपोषण की व्यापकता को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि देश में सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सेवाओं के प्रावधान के परिणामस्वरूप देश भर में डायरिया से लगभग 4,00,000 मौतों को टाला जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि भारत में सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल के सार्वभौमिक कवरेज के साथ, लगभग 14 मिलियन क।स्ल ;विकलांगता समायोजित जीवन वर्ष) को टालने का अनुमान है, जिसके परिणामस्वरूप 8.2 लाख करोड़ रुपये तक की अनुमानित लागत बचत होगी।
- जल जीवन मिशन स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करके आर्थिक विकास को उत्प्रेरित करता है, जिसमें जल आपूर्ति प्रणालियों की योजना, कार्यान्वयन, संचालन और रखरखाव शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के तकनीकी सहयोग से आईआईएम-बेंगलूर द्वारा किए गए एक अध्ययन में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन क्षमता का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। यहां जारी अध्ययन रिपोर्ट ने जेजेएम की 2.82 करोड़ व्यक्ति/वर्ष रोजगार की अपार सृजन क्षमता का अनुमान लगाया है। जल जीवन मिशन का सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण का रोजगार पर बहुआयामी प्रभाव पड़ा है।
- जल जीवन मिशन महिलाओं और बच्चों को दूर और अक्सर असुरक्षित स्रोतों से पानी लाने के श्रमसाध्य कार्य से राहत देकर उनका सशक्तीकरण करता है, जिससे उनका पर्याप्त समय और ऊर्जा बचती है। भारत में महिलाएं और लड़कियां घरेलू कामकाज करने में काफी समय (प्रति दिन 352 मिनट तक) खर्च करती हैं। यह उनके पुरुष समकक्षों (52 मिनट/दिन) से 577 प्रतिशत अधिक है और दक्षिण अफ्रीका एवं चीन की महिलाओं की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। अपने परिवारों के लिए पीने का पानी जुटाना इसका एक बड़ा हिस्सा है। नल के माध्यम से जल की उपलब्धता महिलाओं पर जल संग्रह करने के बोझ को कम करने के साथ ही उन्हें शिक्षा एवं रोज़गार के अधिक अवसर प्रदान कर लैंगिक समानता की प्राप्ति में योगदान दे सकती है।

अध्ययन का उद्देश्य

- जल जीवन मिशन का ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं जल जनित बीमारीयों पर इसके प्रभाव का अध्ययन करना।
- जल जीवन मिशन का ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आय सृजन की संभावनाओं का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध पत्र में विश्लेषणात्मक शोध प्रविधि का प्रयोग किया गया है। समंको के संग्रहण मे विश्वसनीय द्वितीयक स्रोतों यथा पुस्तकों, प्रकाशित शोध पत्रों, विभिन्न सरकारी रिपोर्टों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं एवं डिजिटल सामग्रियों का प्रयोग किया गया है।

साहित्यावलोकन

1. WHO (2023) "Estimating potential health gains from increased access to safely managed drinking water services following the Jal Jeevan Mission initiative" रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि देश में सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल सेवाओं के प्रावधान के परिणामस्वरूप देश भर में डायरिया से लगभग 4,00,000 मौतों को टाला जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि भारत में सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल के सार्वभौमिक कवरेज के साथ, लगभग 14 मिलियन DALY (विकलांगता समायोजित जीवन वर्ष) को टालने का अनुमान है, जिसके परिणामस्वरूप 8.2 लाख करोड़ रुपये तक की अनुमानित लागत बचत होगी।
2. Chaudhary, Amrita (2022) Jal Jeevan Mission And Women Empowerment; नामक अपने शोध पत्र में बताया कि यदि जल ही जीवन है, तो स्वच्छता निश्चित रूप से 'जीवन का एक तरीका' है और ऐसी सुविधाओं तक पहुंच निश्चित रूप से मानव जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता के साथ-साथ बीमारियों की घटनाओं और प्रसार पर प्रभाव डालती है। जल और स्वच्छता का कार्यक्रम निश्चित रूप से विकसित हुआ है और योजना एवं कार्यान्वयन दोनों में सामुदायिक भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए ऊपर से नीचे की ओर दृष्टिकोण से आगे बढ़ गया। अब, जल जीवन मिशन के माध्यम से नल जल कनेक्शन प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। सुरक्षित जल तक पहुंच आशा, स्वास्थ्य और अवसर प्रदान करती है। लाखों लोगों के लिए, सुरक्षित पानी समस्याओं को संभावनाओं में बदल सकता है – शिक्षा, आर्थिक अवसर और बेहतर स्वास्थ्य का द्वार खोल सकता है।
3. कटारिया, रतन लाल (2021) 'सामाजिक क्रांति की दिशा में बढ़ते कदम'; इन्होंने अपने लेख में बताया है कि जल जीवन मिशन में बॉटम अप यानी नीचे से ऊपर की ओर आगे बढ़ने वाला दृष्टिकोण अपनाया गया है। इसके लिए ग्राम जल और स्वच्छता समिति /पानी समिति का गठन करना होता है जो पेयजल स्रोत सुदृढ़ीकरण, जल आपूर्ति, जल प्रबंधन और संचालन व रखरखाव के बारे में पंचवर्षीय ग्राम कार्य योजना तैयार करती है ताकि गाँव के लोगों को नियमित आधार पर बिना किसी व्यवधान के नलों के जरिए पानी की सुनिश्चित आपूर्ति हो।
4. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के तकनीकी सहयोग से आईआईएम-बेंगलूर द्वारा किए गए एक अध्ययन 'Assessment of employment generation potentials of Jal Jeevan mission' रिपोर्ट में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन क्षमता का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। यहां जारी अध्ययन रिपोर्ट ने जेजेएम की 2.82 करोड़ व्यक्ति/वर्ष रोजगार की अपार सृजन क्षमता का अनुमान लगाया है। जल जीवन मिशन का सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण का रोजगार पर बहुआयामी प्रभाव पड़ा है। प्रत्यक्ष प्रभाव में निर्माण और संचालन चरणों के दौरान रोजगार शामिल है। निर्माण में कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी), जल भंडारण टैंक और उपचार संयंत्रों का निर्माण, पाइप बिछाने और अन्य निर्माण गतिविधियों में व्यक्तियों को नियोजित करना शामिल है। उचित निष्पादन के लिए इंजीनियर, वाल्व मैन, पंप ऑपरेटर और प्रबंधकीय कर्मचारी जैसे कुशल कर्मचारी भी आवश्यक हैं। संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) चरण में नियमित निरीक्षण और बुनियादी ढांचे के रखरखाव जैसे कार्यों के लिए निरंतर रोजगार की आवश्यकता होती है।
5. नोबेल पुरस्कार विजेता माइकल क्रेमर ने अपने अध्ययन 'Potential Reduction in Child Mortality through Expanding Access to Safe Drinking Water in India' में बताया है कि जल जीवन मिशन के माध्यम से स्वच्छ जल नल कनेक्शन और स्वच्छता संबंधी कार्य प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल प्रदान करके ग्रामीण भारत में हर साल पांच साल से कम उम्र के 1.36 लाख बच्चों की जान बचाई जा सकती है। लागत-प्रभावशीलता विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि जल उपचार बाल मृत्यु दर को कम करने के सबसे अधिक लागत-प्रभावी तरीकों में से एक है। इसका तात्पर्य यह है कि अधिक से अधिक लोगों तक सुरक्षित पानी पहुँचाने से बहुत अधिक शुद्ध लाभ होने की संभावना है।
6. Mukul Asher and Kruti Upadhyay (2020) 'Jal Jeevan Mission Will Substantially Enhance Ease of Living With a Positive Impact on Health Status and Women Empowerment' नामक शोध पत्र मे बताया है कि 2024 तक देश के सभी घरों में पीने योग्य पानी की आपूर्ति करने से न केवल जीवनयापन में काफी सुधार होगा, बल्कि स्वास्थ्य की स्थिति में भी सुधार होगा और महिलाओं को सशक्त बनाया जाएगा। महिलाओं को पानी लाने के काम से मुक्त करना, जो कभी-कभी सुरक्षा के मुद्दे पैदा करता है, संभावित रूप से उन्हें बाजार, घरेलू उत्पादन और अन्य गतिविधियों के माध्यम से घरेलू कल्याण में सुधार करने के अवसर भी प्रदान करेगा।

आगे की राह

- जल सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न विभागों और हितधारकों के बीच समन्वय और सहयोग की आवश्यकता है।
- जल आपूर्ति सेवाओं की निगरानी और विनियमन में स्थानीय जल उपयोगकर्ता समितियों की भूमिका को मजबूत करना, निर्णय लेने में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना।
- सहभागी नियोजन प्रक्रियाओं को सुगम बनाना, जहां जल उपयोगकर्ता संघ स्थानीय आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं पर विचार करते हुए जल प्रबंधन योजनाओं के विकास में सक्रिय रूप से योगदान करते हैं।
- स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने और कार्यान्वयन को सशक्त बनाना पानी की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण है।
- हाशिए पर रहने वाले समुदायों, जैसे कि गरीब, आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।
- जल संरक्षण, जल शोधन और जल वितरण में सुधार के लिए नवीन तकनीकों को अपनाना आवश्यक है।

उपसंहार

भारत में दुनिया की 16% आबादी रहती है, लेकिन मीठे पानी के संसाधन सिर्फ़ 4% हैं। भूजल स्तर में गिरावट, पानी का अत्यधिक दोहन और पानी की गुणवत्ता में गिरावट, जलवायु परिवर्तन आदि पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने की बड़ी चुनौतियाँ हैं। भूजल स्तर में कमी के कारण देश में जल संरक्षण की तत्काल आवश्यकता है। इसलिए जल जीवन मिशन स्थानीय स्तर पर पानी की एकीकृत मांग और आपूर्ति प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करेगा। जल जीवन मिशन भारत में एक महत्वपूर्ण पहल है जो न केवल ग्रामीण आबादी के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में मदद करेगी, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। मिशन की सफलता भारत के सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जल जीवन मिशन ने गुणवत्ता, पहुंच और स्थिरता पर जोर देने वाले समग्र दृष्टिकोण को अपनाकर, भारत ने स्वास्थ्य के बुनियादी सामाजिक निर्धारक को संबोधित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। जल जीवन मिशन की सफलता सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक परिणाम लाने में अंतःविषय जुड़ाव और सामुदायिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित करती है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. https://jaljeevanmission.gov.in/
2. https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2002794
3. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/jal-jeevan-mission-18
4. https://repository.iimb.ac.in/handle/2074/22075
5. कटारिया, रतन लाल (2021) 'सामाजिक क्रांति की दिशा में बढ़ते कदम', योजना, अप्रैल 2021, पेज – 19-21
6. https://www.ijsdr.org/viewpaperforall.php?paper=IJSDR2210075
7. https://www.indiawaterportal.org/articles/employment-potential-indias-jal-jeevan-mission
8. https://www.dhyeyaias.com/hi/current-affairs/daily-current-affairs/हर-घर-जल-in-India
9. https://jalshakti-dowr.gov.in/
10. https://www.unicef.org/india/what-we-do/clean-drinking-water
11. https://www.impriindia.com/insights/water-security-jal-jeevan-rural/
12. https://pwonlyias.com/jal-jeevan-mission-jjm/
13. https://jaljeevanmission.gov.in/sites/default/files/2023-06/Jal-Jeevan-Mission-Summary-of-report.pdf
14. https://www.researchgate.net/publication/346107418_Jal_Jeevan_Mission_Will_Substantially_Enhance_Ease_of_Living_With_a_Positive_Impact_on_Health_Status_and_Women_Empowerment